THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD

MA(Hindi) II SEMESTER : COURSE DESCRIPTION

Course title	**आधुनिक साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल** **HISTORY OF MODERN LITERATURE**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	a. Existing course without changes
Course code	PAPER : MAH 2 10
Semester	II
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Monday & Tuesday / 11.00 to 1.00 pm Friday / 9.00 am to 11.00 am Wednesday / 2.00 pm to 4.00 pm
Name of the teacher/s	Prof. Shyamrao Rathod & Dr. Malobika
Course description	**Include the following in the course description** a) हिंदी साहित्य का आधुनिक काल कई मायनों में विशेष है। इस काल में सामाजिक सुधार आंदोलन, साहित्यिक आंदोलन और विभिन्न वाद, भारतीय स्वाधीनता आंदोलन का स्वर सुनाई देता है। इन आंदोलनों और वादों के बरअक्स युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों का विश्लेषण होगा। **b) उद्देश्य :** ● स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों में भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता विकसित करना। ● इतिहास विवेक की महत्ता को आधार प्रदान करना। ● नवजागरणकालीन पृष्टभूमि एवं प्रवृतियों में परिचित करना। ● छायावादोत्तर काव्य की प्रवृतियों और प्रतिनिधि रचनाकारों से परिचित कराना। ● राष्ट्रीय चेतना के निर्माण में आधुनिक साहित्य की भूमिका से परिचित कराना। ● पाठ्यकृतियों के संदर्भ में काव्य के आस्वादन और समीक्षा की क्षमता बढ़ाना। **c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● हिंदी साहित्य के विकास की गति और दिशा को रेखांकित करना है। ● छायावादोत्तर हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों के बारे में जान पाएंगे। ● छायावादोत्तर दौर के विविध काव्यान्दोलनों को समझ पाएंगे। ● छायावादोत्तर हिंदी कविता के प्रतिनिधि कवियों के काव्य से परिचित हो सकेंगे। ● चयनित कविताओं का आस्वाद और विश्लेषण कर सकेंगे। ● स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी कवियों की भूमिका से परिचित हो सकेंगे। ● आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रमुख आंदोलन और वाद के आधार पर भारत जन मानस की वैचारिकता में परिवर्तन से अवगत होंगे।

	इकाई-1 ● हिंदी साहित्य में आधुनिक काल का नामकरण और काल-सीमा; भारतेन्दु-पूर्व हिंदी गद्य ● खड़ीबोली हिंदी गद्य का आरंभ ● फोर्टविलियम कॉलेज की स्थापना एवं हिंदी गद्य साहित्य के विकास में उस का योगदान ● हिंदीका प्रारंभिक गद्य साहित्य ● हिंदी पत्रकारिता का आरंभ **इकाई-2** **भारतेन्दयुगीन हिंदी साहित्य – 1857 कीक्रांति,** ● सांस्कृतिक पुनर्जागरण ● भारतेन्द- युगीन साहित्यक परिदृश्य ● भारतेन्दुयुग के प्रमुख साहित्यकार और उनकी साहित्यिक उपलब्धियाँ ● नवीन गद्य विधाओं काआरंभ ● भारतेन्दयुगीन प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं का सामाजिक ● सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संदर्भ ● भारतेन्दु और हिंदी पत्रकारिता ● हिन्दी गद्य के विकास में भारतेन्दुयुगीन पत्रकारिता की भूमिका **द्विवेदी युगीन हिंदी साहित्य – जागरण काल :** ● सुधार और परिष्कार ● द्विवेदीयुगीन काव्य का वैशिष्टय ● सरस्वती पत्रिका का प्रकाशन – हिंदी साहित्य पर उस का प्रभाव ● द्विवेदीयुगीन काव्य में राष्ट्रीयता, नीति और आदर्श, पौराणिक सन्दर्भ ● प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ **इकाई-3** **हिंदी साहित्य में स्वच्छन्दता वाद** ● छायावाद – रहस्यवाद : परिभाषा एवं स्वरूप ● छायावादी काव्य का प्रवृत्तिगत विश्लेषण, भाषिक वैशिष्ट्य; प्रसाद, निराला, पंत महादेवीवर्मा का काव्य वैशिष्ट्य ● अन्य छायावादी कवि ● हिंदी की राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा–प्रवृत्तिगत विश्लेषण **इकाई-4** ● छायावादोत्तर काव्य–प्रगतिवादी काव्य, प्रयोगवादी काव्य, नई कविता, अकविता, जनवादी कविता, समकालीन कविता
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning ● भारतेन्दुयुग के प्रमुख साहित्यकार और उनकी साहित्यिक उपलब्धियाँ ● भारतेन्दु और हिंदी पत्रकारिता

	• सरस्वती पत्रिका का प्रकाशन – हिंदी साहित्य पर उस का प्रभाव • छायावादी काव्य का प्रवृत्तिगत विश्लेषण, भाषिक वैशिष्ट्य; प्रसाद, निराला, पंत महादेवीवर्मा का काव्य वैशिष्ट्य
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	Essential reading : **संदर्भ ग्रंथ** • हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल • हिन्दी साहित्य: उदभव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी • हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी • हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह Additional reading : **संदर्भ ग्रंथ** • हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी : नंददुलारे बाजपेयी • हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष : शिवदान सिंह चौहान • हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे • हिन्दी का गद्य सहित्य : रामचन्द्र तिवारी • हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय • आधुनिक भारतीय नवजागरण : शैलेन्द्र पांथरी • हिन्दी साहित्य का आधुनिक इतिहास : बच्चन सिंह • हिन्दी गद्य-विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी • आधुनिक हिन्दी साहित्य : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय • महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा • भारतेंदु हरिशचंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं : रामविलास शर्मा • भारत में अंग्रेज़ी राज और मार्क्सवाद : रामविलास शर्मा, • और हिन्दी नवजागरण 1857 : प्रदीप सक्सेना • योरप और भारतीय नवजागरण : रामविलास शर्मा, • हिन्दी नवजगारण के अग्रदूत : कमला प्रसादनेशनल बुक ट्रस्ट ,, दिल्ली • हिन्दी नवजागरण : गजेन्द्र पाठक, विश्वविद्यालय प्रकाशन • हिन्दी नवजागरण और संस्कृति : शंभुनाथ, आनंद प्रकाशन

MA(Hindi) II SEMESTER : COURSE DESCRIPTION

Course title	**आधुनिक हिन्दी कविता** **MODERN HINDI POETRY**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	b. Existing course without changes
Course code	PAPER : MAH 2 20
Semester	II
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Monday & Tuesday/ 09.00 am to 11.00 am Monday / 2.00 pm to 4.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Priyadarshini
Course description	**Include the following in the course description** a) आधुनिक काल के आंदोलनों और वादों की प्रमुख प्रवृत्तियों के आधार पर अनुमोदित कवियों की पाठ व्याख्या के क्रम में आधुनिक काव्य बोध, युगीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में कवियों की संवेदना , सृजनभूमि एवं वर्तमान अर्थव उनकीत्ता और भाषिक वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे। **b) उद्देश्य :** ● स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों में भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता को विकसित करना । ● आधुनकि काव्य बोध की दिशा और प्रवृत्तियों की समझ को विकसित करना है। ● आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों और प्रतिनिधि रचनाकारों से परिचित कराना। ● काव्य एवं गीत के आस्वादन एवं लेखन कौशल का विकास करना। ● पाठ्य कृतियों के संदर्भ में काव्य के आस्वादन और समीक्षा की क्षमता को बढ़ाना। **c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● आधुनिक हिंदी काव्य के परिचय और प्रवृत्तियों के बारे में जान पाएंगे। ● नई कविता और उसके बाद के दौर के विविध काव्यान्दोलनों को समझ पाएंगे। ● आधुनिक हिंदी कविता के प्रतिनिधि कवियों के काव्य से परिचित हो सकेंगे। ● चयनित कविताओं का आस्वाद और विश्लेषण कर सकेंगे ● सामाजिक सरोकार और व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य में काव्य की भूमिका को समझ सकेंगे। ● कविता के माध्यम से लैंगिक समानता, पर्यावरण सजगता और मानवीय मूल्यों के प्रति सजग होगे। **इकाई-1** ● आधुनिक हिन्दी काव्य धारा : प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि ● आधुनिक काव्यान्दोलन : परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ ● समकालीन कविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ, शिल्पगत वैशिष्ट्य एवं प्रमुख कवि

	इकाई-2 ● सुमित्रानंदन पंत : पंत कृत दो कविताएँ ● प्रसाद : कामायनीचिंता-, श्रद्धा और इ□ सर्ग ● सूर्याकांत त्रिपाठी निराला : राम की शक्ति पूजा **इकाई-3** ● महादेवी वर्मा : प्रतिनिधि कविताएँ ● मुक्ति बोध : अंधेरे में शीर्षक कविता ● अज्ञेय : असाध्य वीणा, नदी के द्वीप शीर्षक ● निराला : सरोजस्मृति , राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता **इकाई-4** ● नागर्जुन : अकाल और उसके बाद 'गुलाबी चूड़ियाँ' शीर्षक कविता कुल) (दो कविताएँ ● धूमिल : 'पट कथा' शीर्षक कविता ● रघुवीर सहाय : आपकी हँसी, भारत भाग्य विधाता शीर्षक कविता ● मुक्तिबोध : प्रतिनिधि कविताएँ
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : ● आधुनिक काव्यान्दोलन : परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ ● सूर्याकांत त्रिपाठी निराला : राम की शक्ति पूजा ● मुक्तिबोध : प्रतिनिधि कविताएँ
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** 1. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 2. नई कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा 3. साकेत: एक अध्ययन : नगेन्द्र 4. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** 1. महाप्राण निराला : गंगाप्रसाद विमल 2. कामायनी एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध 3. अज्ञेय की काव्य तितीर्षा : नंदकिशोर आचार्य 4. छायावाद : नामवर सिंह 5. मुक्तिबोध की काव्य चेतना : हुकुमचंद राजपाल 6. अज्ञेय : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 7. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह 8. नयी कविता के वैचारिक आधार : सुधीश पचौरी 9. रघुवीर सहाय का रचना कर्म : सुरेश शर्मा

	10. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा 11. नयी कविताएं एक अन्तः साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी 12. बीसवीं शताब्दी की लम्बी कविताएं : नरेन्द्र मोहन 13. धूमिल और उनका काव्य संघर्ष : ब्रह्मदेव मित्र 14. अलक्षित निराला : सूर्यप्रकाश दीक्षित 15. निराला: एक आत्महन्ता आस्था : दूधनाथ सिंह 16. आधुनिक साहित्य और इतिहास बोध : नित्यानंद तिवारी 17. समकालीन बोध और धूमिल : हुकुमचंद राजपाल

MA(Hindi) II SEMESTER : COURSE DESCRIPTION

Course title	**कथेतर गद्य साहित्य** **NON-FICTION PROSE**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	c. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER : MAH 2 30
Semester	II
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Wednesday & Thursday& Friday/ 09.00 am to 11.00 am Friday /2.00 pm to 4.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Promila
Course description	**Include the following in the course description :** a) आधुनिक युग के नवजागरण काल में निबंध के अतिरिक्त हिंदी गद्य के विकास क्रम में विभिन्न विधाओं की उल्लेखनीय भूमिका रही है, कथेत्तर साहित्य की संवेदना, उसकी पृष्ठभूमि, वर्तमान अर्थवत्ता और उसके भाषागत वैशिष्ट्य से परिचित कराना। **b) उद्देश्य :** ● स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों में भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता को विकसित करना। ● आधुनिक युग के गद्य साहित्य में कथेत्तर साहित्य की पहचान से छात्रों की अवगत कराना है। ● हिंदी के गद्यात्मक साहित्य के विभिन्न रूपों के प्रति बोध और उनकी प्रवृत्तिगत समझ को क्षमता विकसित होगी। ● निबंध के स्वरूप और रचनाविधान से परिचित कराना-। ● नाटक एवं निबंध के अस्वादन और विश्लेषण की दृष्टि विकसित करना। ● नाटक तथा अन्य गद्य विधाओं के स्वरूप, रचनाविध-ान और रंगमंचीय पक्ष से परिचित कराना। ● जीवनी, रेखाचित्र, संस्मरण, एकांकी, यात्रा वृतांत आदि कथेत्तर गद्य विधाओं में रचनात्मक विशेषताओं को बताना। **c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● साहित्य के कथेत्तर गद्य विधाओं की पृष्ठभूमि, अवधारणा, भाषागत वैशिष्टश्य का परिचय प्राप्त होगा। ● नाटक और निबंध के स्वरूप, तत्व और उसके महत्व से परिचित हो सकेंगे। ● नाटकों एवं निबंध की परंपरा से अवगत हो सकेंगे। ● नाटकों एवं निबंध के आस्वादन, समीक्षा और विश्लेषण की क्षमता बढेंगी। ● जीवनी, रेखाचित्र, संस्मरण, एकांकी, यात्रा वृतांत आदि कथेत्तर गद्य विधाओं में विश्लेषण की दृष्टि विकसित होगी।

	इकाई-1 ● हिन्दी गद्य का उद्भव एवं विकास ● गद्य विधाओं की रचनात्मक विशेषताएँ ● हिंदी गद्य की शैलियाँ **इकाई-2** **नाटक :** ● अंधेर नगरी अथवा भारत दुर्दशा : भारतेंदु हरिचंद्र ● चंद्रगुप्त अथवा ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद ● आषाढ़ का एक दिन अथवा आधे अधूरे : मोहन राकेश ● अंधा युग : धर्मवीर भारती **इकाई-3** **निबंध** ● लोभ और प्रीति (1-चिंतामणि भाग) : रामचन्द्र शुक्ल ● नाखून क्यों बढ़ते हैं : हजारीप्रसाद द्विवेदी ● मेरे राम का मुकुट भीग रहा है : विद्यानिवास मिश्र **इकाई-4** **संस्मरण** ● ठकुरी बाबा : महादेवी वर्मा **जीवनी** ● आवारा मसीहा : विष्णु प्रभाकर **व्यंग्य रचना** ● भोलाराम का जीव : हरिशंकर परसाई **यात्रा-वतांत** सफेद राते और हवा : निर्मल वर्मा
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : ● गद्य विधाओं की रचनात्मक विशेषताएँ ● अंधा युग : धर्मवीर भारती ● नाखून क्यों बढ़ते हैं : हजारीप्रसादद्विवेदी ● सफेद राते और हवा : निर्मल वर्मा
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** ● हिन्दी नाटक उद्भव और विकास - : दशरथ ओझा ● भारतेंदु युग : रामविलास शर्मा ● नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना : सत्येन्द्र तनेजा ● हिन्दी नाटक: सिद्धान्त और विवेचन : गिरीश रस्तोगी

	• रंगमंच : कला और दृष्टि : गोविन्द चातक • अंधा युग पाठ और प्रदर्शन - : जयदेव तनेजा **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** • मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी • जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन : विनोद शाही • नाटकालोचन के सिद्धान्त : सिद्धनाथ कुमार • दृश्य अदृश्य : नेमिचंद्र जैन • रंग दस्तावेज (2 ,1 भाग) सौ साल : : महेश आनंद • हिंदी नाटक : बच्चन सिंह • रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र : देवेन्द्रराज अंकुर • प्रतिनिधि हिंदी निबन्धकार : विभुराम मिश्र • आधुनिक हिंदी साहित्य : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय • हिंदी गद्य बोली का विकास : जगन्नाथ प्रसाद शर्मा • साहित्य सहचर : हजारीप्रसाद द्विवेदी • हिंदी निबंध के आधार स्तम्भ : हरिमोहन • हिंदी रेखाचित्र : मक्खन लाल शर्मा

MA(Hindi) II SEMESTER : COURSE DESCRIPTION

Course title	**सामान्य भाषा विज्ञान** **GENERAL LINGUISTIC**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	d. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER : MAH 2 40
Semester	II
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Wednesday & Thursday / 11.00 am to 1.00 pm Thursday / 2.00 pm to 4.00 pm
Name of the teacher/s	Prof. Shyamrao Rathod and Dr. Malobika
Course description	**Include the following in the course description :** a) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास, हिंदी के शब्द भंडारों की स्थिति एवं गति, हिंदी भाषा की समस्याएं एवं चुनौतियां तथा देवनागरी लिपि के महत्व पर प्रकाश डाल कर भाषा के वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अवगत कराना है। **b) उद्देश्य :** ● स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों में भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता को विकसित करना। ● भाषा का वैज्ञानिक ढंग से पठन-पाठन करना ● भाषा विज्ञान के माध्यम से सामाजिक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को समझने की योग्यता विकसित करना ● भाषा विज्ञान के विविध पहलुओं से परिचित कराना। ● हिंदी भाषा अध्ययन की वैज्ञानिक पद्धति से अवगत कराना। **c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● भाषा विज्ञान की सैद्धांतिकी और भाषा परिवारों से परिचय प्राप्त कर सकेंगे। ● हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि के संबंध में जान पाएंगे। ● हिंदी भाषा की संरचना, हिंदी की ध्वनियाँ और उनके वर्गीकरण को समझ पाएंगे। ● भाषा विज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र आदि क्षेत्र में शोध के द्वारा रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। **इकाई-1** ● भाषा की परिभाषा एवं अभिलक्षण ● भाषा विज्ञान स्वरूप और व्याप्ति ● भाषओं का वर्गीकरण ● भाषा की संरचना **इकाई-2** ● ध्वनि विज्ञान ● रूप विज्ञान ● वाक्य विज्ञान ● अर्थ विज्ञान

	d) इकाई-3 ● हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ● हिंदी की उपभाषाएं (बोलियां) ● जनपदीय भाषाओं का विकास ● भाषा और लिपि का संबंध ● देवनागरी लिपि का मानकीकरण **इकाई-4** ● हिंदी भाषा की संरचना ● हिंदी ध्वनियाँ और उनका वर्गीकरण ● शब्द साधन, शब्द रचना, रूपांतरण, वाक्य विन्यास, विराम चिह्न
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : ● भाषओं का वर्गीकरण ● भाषा की संरचना ● हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ● हिंदी ध्वनियाँ और उनका वर्गीकरण
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** ● भाषा और समाज : रामविलास शर्म ● सामान्य भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी ● भाषाविज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा ● हिन्दी भाषा इतिहास और स्वरूप : : राजमणि शर्मा ● भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी : रामविलास शर्मा **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** ● हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान : नामवर सिंह ● हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा ● भाषा का समाजशास्त्र : राजेंद्र प्रसाद सिंह ● हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव ● हिन्दी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु ● आधुनिक भाषा विज्ञान : भोलनाथ तिवारी ● One Language Two Script : Christipher King, Oxford University ● The Hindi Public Sphere(1920-1940) : Francheska Orsini, Oxford University